vkj- ,u- vkb- u- UPHIN/2010/32566 Mkd- ith;u- l[;k& SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक
हर ख़बर पर पैनी नज़र

o"k Z % 15 vad % 09 y[kuÅ] 'kdokj 07 tu 2024 l 13 tu 2024 rd i"B&8 eY; % ,d :i;k

इस्तीफा देने का दबाव या होगा कोई बदलाव, BJP के सभी मुख्यमंत्रियों को दिल्ली क्यों बुलाया गया?

नई दिल्ली। बीजेपी ने अपने शासित सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को दिल्ली बुलाया है। ७ जून को बीजेपी हेडक्वार्टर में सभी मुख्यमंत्रियों और वरिष्ठ नेताओं की बड़ी बैठक होनी है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक आगे की रणनीति पर चर्चा की जाएगी। इसके अलावा जिन राज्यों में करारी हार का सामना करना पड़ा है इसको लेकर भी मंथन होगा। उत्तर प्रदेश से भाजपा को सबसे बड़ा झटका मिला है। जिसके बाद चर्चा तेज है कि यूपी में मिली करारी शिकस्त का ठीकरा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर फोड़ा जा सकता है। ऐसे में क्या अब सीएम योगी पर इस्तीफा देने का दवाब बनाया जाएगा? इसके अलावा दूसरा राज्य राजस्थान है जहां बीजेपी का प्रदर्शन खराब रहा है। प्रचार के दौरान अमित शाह ने एक रैली में नेताओं से कहा था कि अगर उनके इलाके में पार्टी कमजोर हुई तो खामियाजा भुगतना पड़ेगा। ऐसे में क्या ये खामियाजा राजस्थान के मुख्यमंत्री को भी भुगतना पड़ सकता है। सीएम भजन लाल के घर भरतपुर से भी बीजेपी को हार मिली है। कहा जा रहा है कि वो अपना क्षेत्र भी नहीं संभाल सके। महाराष्ट्र में महाविकास आघाडी के ३० सीटें जीतने पर बीजेपी चिंता की मुद्रा में आ गई है। राज्य में बीजेपी के सबसे बड़े नेता देवेंद्र फडणवीस ने हार की

जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफे की पेशकश की है। हालांकि बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखकर बावनकुले और सीएम एकनाथ शिंदे ने उनकी इस पेशकश को खारिज किया है। नतीजे के २४ घंटे के भीतर ही फडणवीस ने सबसे पहले इस्तीफे की पेशकश कर दी थी। दरअसल, अक्टूबर–नवंबर महीने में राज्य में २८८ सदस्यों वाली विधानसभा के चुनाव होने हैं। पार्टी के कार्यकर्ताओं में जोश बरकरार रखने के लिए बीजेपी को नई रणनीति से काम करना होगा। जिस दिन शपथ ग्रहण समारोह हो उस दिन सभी लोग उपस्थित रहे। इसके अलावा बीजेपी की कवायद ये रहती है कि पूरी पार्टी एकजुट दिखनी चाहिए। एनडीए की संसदीय दल की बैठक से पहले बीजेपी के संसदीय दल की बैठक होगी। बैठक में भारतीय जनता पार्टी शासित राज्यों के सभी मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री शामिल रहते हैं। साल २०१४ में नरेंद्र मोदी जब पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने दिल्ली आए थे। उससे पहले उन्होंने बीजेपी संसदीय दल की बैठक में हिस्सा लिया था। इसमें तमाम बीजेपी शासित राज्यों के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री शामिल हुए थे। वहां पर उन्होंने कहा था कि उन्हें जो कमान पार्टी की तरफ से मिली है उसके लिए वो तत्पर हैं। बैठक में देशभर में लोकसभा चुनाव को लेकर जो नतीजे आए हैं, उसको लेकर फीडबैक लिया जा सकता है। भारतीय जनता पार्टी की सीटें कम क्यों हुई हैं। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, महाराष्ट्र में अपने प्रदर्शन को दोहराने में बीजेपी नाकामयाब हो गई।

मोदी ३.० सरकार के गठन की तैयारी तेज, मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू को भी भेजा गया निमंत्रण

नई दिल्ली। मोदी ३.० सरकार के गठन की तैयारी तेज हो गई है। अब एनडीए की तीसरे कार्यकाल का शपथ ग्रहण समारोह है तो नजारा भी भव्य होना चाहिए। ऐसे में श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे और बांग्लादेश की शेख हसीना को भी सीधे तीसरे कार्यकाल के लिए प्रधान मंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। वहीं अब खबर है कि मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू को भी भारत ने शपथग्रहण का न्योता भेजा गया है। मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए बांग्लादेश, श्रीलंका, भूटान, नेपाल और म रीशस की प्रमुख हस्तियों को निमंत्रण दिया जाएगा। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के मीडिया कार्यालय ने पुष्टि की कि मोदी ने उन्हें शपथ ग्रहण समारोह के लिए निमंत्रण दिया है। विक्रमसिंघे ने निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। इसमें कहा गया कि विक्रमसिंघे ने फोन पर मोदी को चुनावी जीत पर बधाई दी। इसमें कहा गया। बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति विक्रमसिंघे को अपने शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया। मोदी ने बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से भी फोन पर बातचीत की है। राजनयिक सूत्रों ने बताया कि फोन पर बातचीत में मोदी ने हसीना को अपने शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया और उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया। ऊपर बताए गए लोगों ने कहा कि नेपाली प्रधान मंत्री पुष्प कमल दहल

श्प्रचंडश, भूटान के प्रधान मंत्री शेरिंग टोबगे और मॉरीशस के प्रधान मंत्री प्रविंद जुगनौथ को मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया जाना तय है। मोदी ने प्रचंड से अलग से फोन पर बातचीत की है। क्षेत्रीय समूह सार्क (दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन) देशों के नेताओं ने मोदी के पहले शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया जब उन्होंने भाजपा की भारी चुनावी जीत के बाद प्रधान मंत्री के रूप में बागडोर संभाली। २०१६ में मोदी के लगातार दूसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर बिम्सटेक देशों के नेताओं ने उनके शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया था। मोदी के ८ जून को शपथ लेने की संभावना है।

सपा–कांग्रेस कार्यकर्ताओं का प्रियंका ने जताया आभार, बोलीं- आप प्रताड़ित हुए लेकिन झुके नहीं, रुके नहीं

लखनऊ। कांग्रेस नेता प्रियंका गांध ी वाड्रा ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव में इंडिया ब्ल क के प्रदर्शन पर समाजवादी पार्टी नेतृत्व को धन्यवाद दिया और कहा कि दोनों पार्टियों के कार्यकर्ता एकजुट होकर चुनाव लड़े और लोकतंत्र के प्रहरी बने। इसको लेकर उन्होंने एक्स पोस्ट किया है। प्रियंका ने लिखा कि यूपी कांग्रेस के मेरे सभी साथियों को मेरा सलाम। मैंने आपको धूप और धूल में कड़ी मेहनत करते हुए देखा, आप झुके नहीं, आप रुके नहीं, कठिन से कठिन दौर में आपने लड़ने की हिम्मत दिखाई। आपको प्रताड़ित किया गया, आप पर फर्जी मुकदमे लगाये गये, जेल में डाला गया, बार–बार नजरबंद किया गया मगर आप डरे नहीं। कई नेता डर के चले गये, आप टिके रहे। प्रियंका गांधी ने कहा कि मुझे गर्व है आप पर और यूपी की जागरूक जनता पर, जिसने इस देश की गहराई और सच्चाई को समझा और हमारे संविधान को बचाने का ठोस संदेश पूरे भारत को दिया। आपने आज की राजनीति

में एक पुराना आदर्श फिर से स्थापित किया है– कि जनता के मुद्दे सर्वोपरि हैं, इनको नकारने की कधिमत भारी होती है। चुनाव जनता का है, जनता ही लड़ती है, जनता ही जीतती है। उन्होंने अखिलेश यादव, डिंपल यादव और रामगोपाल यादव को टैग करते हुए लिखा कि आपको और समाजवादी पार्टी के मेहनती कार्यकर्ताओं को यूपी के नतीजों के लिए मेरी तरफ से बहुत–बहुत बधाई। भीषण परिस्थितियों में हम सबने मिलकर एक ऐतिहासिक लड़ाई लड़ी। कांग्रेस नेता ने कहा कि जमीन पर कांग्रेस और सपा के कार्यकर्ताओं ने हिम्मत से जनता के मुद्दों, सामाजिक न्याय और संविध ान की आवाज उठाई। तमाम ध मकियों व दमन के बावजूद वे एकजुट होकर लोकतंत्र के प्रहरी बने और बूथ–बूथ पर खड़े रहे। आप सबकी कड़ी मेहनत के चलते हमारी एकजुटता व मुद्दों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता में जनता ने भरोसा दिखाया है। आप सभी को दिल से धन्यवाद। जय जनता। जय संविधान।

अभी तक नहीं जमा किया है हाउस टैक्स तो फौरन करें डिपॉजिट

लखनऊ। नगर निगम क्षेत्र के भवन स्वामियों को ३० जून तक गृहकर जमा करने पर १५ प्रतिशत की छूट मिलेगी। छूट को आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। कर निध ारण और वसूली के लिए प्रत्येक वार्ड में महीने के द्वितीय शनिवार और रविवार को शिविर भी लगाए जाएंगे। महापौर सुषमा खर्कवाल ने गुरुवार को बैठक कर नगर निगम की आय की समीक्षा की। इसमें उन्होंने कहा कि लोकभवन जैसे शासकीय प्रतिष्ठान, शत्रु संपत्तियों और हजरतगंज की अनेक व्यवसायिक प्रतिष्ठानों का कर पुनरीक्षण कर वसूली में तेजी लाई जाए। महापौर ने अन्य जोन में स्थित प्रतिष्ठान एनटीपीसी, ३२वीं वाहिनी, जोन ६ की मछली मंडी आदि से कर वसूली के निर्देश भी दिए। महापौर ने कहा कि भवन स्वामियों की सुविधा के लिए चालू वित्तीय वर्ष (२०२४–२५) में प्रत्येक महीने के द्वितीय शनिवार व रविवार को सभी वार्डों में शिविर लगाए जाएं। इसमें कर निर्धारण के साथ कर की वसूली भी की जाए। बैठक में नगर आयुक्त इन्द्रजीत सिंह, समस्त अपर नगर आयुक्त, मुख्य कर निर्धारण अधि ाकारी और सभी जोनल अधिकारी उपस्थित रहे। महापौर ने मुख्य मार्गों पर नगर निगम की जमीनें चिह्नित करने के निर्देश भी दिए हैं। अधिकारियों को जमीनें चिह्नित कर १५ दिनों में रिपोर्ट देनी होगी। इसके अलावा नगर निगम की सीमा में छोटे और बड़े तालाबों पर अतिक्रमण चिन्हित करने के निर्देश भी दिए। महापौर ने कहा कि कब्जेदारों को नोटिस देकर कार्रवाई की जाए।

सम्पादकीय

शेयर बाजारों में नाटकीय घटनाएं

इस हफ्ते शेयर बाजारों में नाटकीय घटनाएं हुई हैं। शनिवार को एग्जिट पोल घोषित हुए, तो शेयर बाजार के कर्ता–धर्ता बल्लियों उछल गए। तो सोमवार को बाजार खुलते ही शेयरों के भाव भी उछलते चले गए। अगले दिन जब मतगणना हुई, तो शेयर बाजार का सामना हकीकत से हुआ। भाजपा को परिकथा जैसी सफलता मिलने के बजाय पार्टी के लिए अपने दम पर साधारण बहुमत जुटाना भी दूभर हो गया। इस खबर के साथ शेयर सूचकांकों में वैसी गिरावट आई, जैसा कभी–कभार ही होता है। मतगणना के दिन यानी मंगलवार को बाजार बंद हुए, तो सूचकांक पौने छह फीसदी नीचे थे। सवाल है कि भाजपा की सफलता– विफलता से शेयर बाजारों का रुख इस हद तक क्यों जुड़ा हुआ है? भाजपा को झटका लगा, तो उससे शेयर बाजार क्यों परेशान हुए? क्या यह सोच कर कि अब गठबंधन की मजबूरियों में अगली सरकार को सामाजिक क्षेत्र पर खर्च बढ़ाना होगा? दूरगामी नजरिए से देखें, तो ऐसा होने पर भारतीय बाजार का विस्तार होगा। हकीकत यह है कि मोदी राज में भारतीय अर्थव्यवस्था का आधार सिकुड़ा है। लगभग ६० फीसदी आबादी की आय घटी है, नजीजतन आबादी के इस हिस्से को अपने उपभोग में कटौती करनी पड़ी है। इसका सीधा असर उपभोक्ता वस्तुओं के बाजार पर पड़ा है। उससे प्राइवेट निवेश प्रभावित हुआ है। परिणाम यह है कि भारतीय अर्थव्यवस्था लगभग पूरी तरह सरकारी निवेश पर निर्भर हो गई है। भारत की उच्च वृद्धि दर का सबसे बड़ा हिस्सा असल में वित्तीय बाजारों और हाई टेक क्षेत्र से आ रहा है, जिसका दो तिहाई आबादी के कोई संबंध नहीं है। प्रश्न है कि क्या शेयर बाजार इतनी बड़ी आबादी की दुर्दशा की कीमत पर चमकना चाहता है? शेयर बाजारों की ऐसी प्रतिक्रिया से इस समझ की पुष्टि हुई है कि वित्तीय पूंजीवाद के इस दौर में शेयर सूचकांक और आम जन की जिंदगी के बीच अंतर्विरोधी संबंध बन गया है। जबकि पारंपरिक समझ यह थी कि शेयर बाजार निवेश– उत्पादन– वितरण आधारित वास्तविक अर्थव्यवस्था के सूचक होते हैं– यानी उनकी उछाल लोगों की खुशहाली का भी सूचक होती है। लेकिन अब सूरत बिल्कुल बदल गई है।

देश के राजनीतिक गतिशास्त्र में भारी बदलाव

लखनऊ। दो राज्यों– उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्त्वाकांक्षाओं और सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के एजेंडे पर तगड़ा प्रहार किया। इनके अलावा कई और राज्यों ने पार्टी के वर्चस्व में सेंध लगाई। इनमें हरियाणा, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, झारखंड एवं कुछ अन्य राज्यों का जिक्र किया जा सकता है। भाजपा को ओडिशा, तेलंगाना, और यहां तक कि केरल में भी अनपेक्षित सफलताएं मिलीं। लेकिन यह कामयाबी जिन राज्यों ने उसे झटका दिया, उसकी भरपाई करने लायक नहीं है। नतीजा यह है कि पार्टी के हाथ से बहुमत निकल गया है। बल्कि बहुमत से उसकी दूरी अच्छी–खासी है। हालांकि भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए को जरूर स्पष्ट बहुमत मिला है, लेकिन अब जो सियासी उभरी है, उसमें कौन किस गठबंधन में रहेगा, यह फिलहाल अनिश्चित हो गया है। फिलहाल निश्चित यह है कि एनडीए अगर एकजुट रहा, तो भी सहयोगी दलों के तेवर गुजरे दस वर्षों जैसे नहीं रहेंगे। ऐसे में गठबंधन और सरकार का नेतृत्व करना एक नए तरह के कौशल की मांग करेगा। नरेंद्र मोदी

ऐसे कौशल के लिए नहीं जाने जाते। उनकी पहचान आदेशात्मक अंदाज में शासन करने वाले नेता की रही है। इसीलिए एनडीए को बहुमत मिलने और भाजपा के सबसे बड़े दल के रूप में उभरने के बावजूद मोदी–शाह की जोड़ी के लिए पहले की तरह राज करना आसान नहीं होगा। अतः कहा जा सकता है कि २०२४ के जनादेश से देश के राजनीतिक गतिशास्त्र में भारी बदलाव आ सकता है। इस चुनाव ने इस धारणा को तोड़ दिया है कि आरएसएस के एजेंडे और मोनोप ली क रपोरेट के साथ उसके गठजोड़ ने भारतीय राजसत्ता पर अपना अटूट शिकंजा कस लिया है। नरेंद्र मोदी इसी शिकंजे का प्रतीक समझे जा रहे थे। इस शिकंजे में प्रधानमंत्री का भरोसा इतना गहरा था कि जन–कल्याण के एजेंडे को वे 'रेवड़ी' बताने लगे। इसकी कीमत उनकी पार्टी को चुकानी पड़ी है। नतीजतन, मोदी अब अपने पुराने अंदाज में राज नहीं कर पाएंगे। वे किस अंदाज में शासन करते हैं, यह देखना दिलचस्प होगा। अब उन्हें हमेशा यह याद रखना होगा कि बहुमत गंवाने की तलवार उनके सिर पर लटकी हुई है।

सीएम योगी ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन प्रत्याशियों के पक्ष में धुआंधार प्रचार किया

लखनऊ। लोकसभा चुनाव २०२४ के प्रचार में यूं तो सभी दलों के कद्दावर नेताओं ने पसीना बहाया लेकिन यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने केवल अपने प्रदेश में ही नहीं बाहरी राज्यों में भी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन प्रत्याशियों के पक्ष में धुआंधार प्रचार किया और अबकी बार ४०० पार के संकल्प को धार दी। पीएम नरेंद्र मोदी और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह उत्तर प्रदेश से चुनकर देश का नेतृत्व करते हैं। इनके कंधों पर अपनी संसदीय सीटों के साथ ही पूरे देश के राजग प्रत्याशियों को जिताने का दारोमदार रहा। ऐसे में योगी ने 'अपने नेता' पीएम मोदी और राजनाथ सिंह की सीटों पर उनके साथ व अकेले भी कई बार पहुंचकर मतदाताओं से संवाद किया और अपनी गृह सीट गोरखपुर में भी सीएम योगी ने सात से अधिक रैली, कार्यक्रम व रोड शो किया। इसके साथ ही नए प्रत्याशियों के लिए भी सीएम योगी ने कई–कई बार मतदाताओं से संवाद कर 'अबकी बार–४०० पार' के लिए ८० को आधार बनाने की अपील की। योगी ने वाराणसी में आठ चुनावी कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। इसमें से अधिकांश में प्रधानमंत्री व काशी के सांसद नरेंद्र मोदी खुद भी शामिल रहे। मुख्यमंत्री ने तीन अप्रैल को वाराणसी लोकसभा चुनाव संचालन समिति की बैठक की।

पीएम संग १३ मई को रोड शो, १४ मई को कार्यकर्ता सम्मेलन, १४ मई को नामांकन, २१ मई को नारी वंदन सम्मेलन में सीएम भी शामिल हुए। सीएम ने २५ मई व २७ मई को जनसभा की और २७ मई को ही वाराणसी के अधिवक्ता से संवाद स्थापित किया। लखनऊ के सांसद व राजनाथ सिंह संग योगी ने नामांकन से पहले २६ अप्रैल को रोड शो किया। इसके अलावा सीएम १४ मई, १५ मई, १६ मई, १७ मई को विभिन्न जनसभाओं में भी शामिल हुए। गोरखपुर से भाजपा सांसद व प्रत्याशी रवि किशन के लिए भी योगी ने मतदाताओं से संवाद किया। गोरखपुर में ४ अप्रैल को लोकसभा चुनाव संचालन समिति की बैठक की। १० मई को नामांकन सभा, २४ मई, २६ मई, २८ मई, २६ मई जनसभा की और २६ मई को यूपी का आखिरी चुनावी कार्यक्रम रोड शो भी सीएम योगी ने गोरखपुर में ही किया। श्रीराम की नगरी अयोध्या भी योगी के केंद्र में रही। निरंतर अयोध्या में विकास कार्यों का निरीक्षण करने,साधु–संतों से भेंट करने के साथ ही नियमित रूप से रामलला व हनुमानगढ़ी दरबार भी पहुंचते हैं। फैजाबाद लोकसभा सीट के मतदाता भारतीय जनता पार्टी से भावनात्मक लगाव रखते हैं। इस सीट पर नरेंद्र मोदी ने रोड शो भी किया था। इसमें योगी भी शामिल रहे। इसके साथ ही दो अन्य जनसभाओं के माध्यम से उन्होने मतदाताओं से अपील कर कमल के पक्ष में रिकॉर्ड बनाने की अपील की।

अब मुसलमानों को सोच समझ कर मौका दिया जायेगा : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी अध्यक्ष मायावती ने लोकसभा चुनाव में अपने दल के खराब प्रदर्शन की समीक्षा जाहिर की है और मुस्लिम समाज को दोषी ठहराते हुये ने कहा कि भविष्य में इस मुस्लिम समाज को सोच समझ कर मौका दिया जायेगा। मायावती ने कहा कि इस बार चुनाव में

बसपा ने अपने बल पर बेहतर परिणाम का खूब प्रयास किया जिसमें दलित वर्ग में से मेरी खुद की जाति के लोगों ने अधिकांश अपना वोट बसपा को देकर अपना फर्ज अदा किया। साथ ही बसपा का खास अंग मुस्लिम समाज जो पिछले कई चुनावों में और इस बार भी लोकसभा चुनाव में उचित प्रतिनिधित्व देने के बावजूद भी बसपा को ठीक से नहीं समझ पाया, तो अब ऐसी स्थिति में आगे मुस्लिम को काफी सोच समझ के ही चुनाव में मौका दिया जायेगा ताकि आगे पार्टी को भविष्य में इस तरह का नुकसान ना उठाना पड़े। मायावती ने कहा कि चुनाव के दौरान देश भर में मंहगाई, गरीबी व बेरोजगारी से त्रस्त लोगों में चर्चा रही कि यदि चुनाव निष्पक्ष और पारदर्शी हुआ व ईवीएम में कोई गड़बड़ी नहीं हुई तो फिर परिणाम निश्चय ही रूलिंग पार्टी के नेताओं के दावों के विपरीत चौंकाने वाले होंगे और जब लोकसभा चुनाव का नतीजा आया है वह लोगों के सामने है। जनता को ही लोकतंत्र व देशहित के बारे में फैसला करना है कि यह जो चुनाव परिणाम आया है उसका आगे उन सबके जीवन पर क्या फर्क पड़ने वाला है तथा उनका अपना भविष्य कितना शान्त, समृद्ध व सुरक्षित रह पाएगा। बसपा अध्यक्ष मायावती ने कहा कि इस लोकसभा चुनाव में खासकर उत्तर प्रदेश की तरफ जो नतीजा सामने आया है, वह जनता के सामने है। उनकी पार्टी इसको गंभीरता से लेकर इसका हर स्तर पर गहराई से विश्लेषण करेगी और पार्टी व मूवमेन्ट के हित में जो भी जरूरी होगा तो उसको लेकर ठोस कदम भी उठाएगी।

योगी के मंत्री ने अखिलेश को दी बधाई

लखनऊ। योगी के मंत्री ने लोकसभा चुनाव में अखिलेश यादव की जीत पर बधाई देते हुये पत्र लिखा है। योगी के मंत्री ने पत्र में साथ में मिलकर विकास को गति देने की बात भी कही है। उत्तर प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार असीम अरुण ने अखिलेश यादव को पत्र लिखकर जीत की बधाई दी है। साथ ही पत्र में उन्होंने लिखा है कि मैं कन्नोज सदर विधानसभा क्षेत्र से विधायक हूं। कन्नौज नगर की रोचक स्थिति है कि नगर पालिका अध्यक्ष बहुजन समाज पार्टी से है, मै भारतीय जनता पार्टी से विधायक हूं और अब आप समाजवादी पार्टी से सांसद चुने गये हैं। मेरी राय में यह भारत के लोकतंत्र की खूबसूरती है। हम सब मिलकर कन्नौज के विकास को और गति देने में सफल होंगे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर सीएम योगी ने किया पौधरोपण

लखनऊ। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में

पौधरोपण किया। जिसकी फोटो उन्होंने सोशल साइट एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः, 'विश्व पर्यावरण दिवस' के अवसर पर आज लखनऊ में पौधरोपण का सौभाग्य प्राप्त हुआ। धरती माता और प्रकृति के संरक्षण–संवर्धन के लिए उत्तर प्रदेश सरकार पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ सेवारत है।इससे पहले सीएम योगी एक और पोस्ट करते हुए लिखा, विश्व पर्यावरण दिवस की सभी पर्यावरण प्रेमियों एवं प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई! पर्यावरण का सीधा संबंध हमारे जीवन, हमारी सृष्टि से है। स्वच्छ–सुरक्षित पर्यावरण सभी प्राणियों के जीवन को सुगम बनाता है। आइए, अपनी सृष्टि की रक्षा हेतु पर्यावरण के संरक्षण के लिए संकल्पित हों। बता दें ५ जून को विश्व पर्यावरण दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस मौके पर विभिन्न देश अलग अलग तरीके से पर्यावरण को लेकर अपने नागरिकों को जागरूक करने के लिए कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं।

अखिलेश यादव छोड़ सकते हैं यूपी विधानसभा सदस्यता!

जानिए किसे मिलेगी नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी

लखनऊ। कन्नौज लोकसभा सीट से सांसद चुने जाने के बाद कायस लगाया जा रहा कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव अब यूपी विधानसभा सदस्य के पद से इस्तीफा दे सकते हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अखिलेश यादव करहल विधानसभा सीट से इस्तीफा देंगे। दावा है कि अखिलेश यादव सांसदी बरकरार रखेंगे। अखिलेश यादव के करहल से इस्तीफा देने के बाद इस सीट से कौन चुनाव लड़ेगा, अभी इस पर अंतिम फैसला नहीं हुआ है। हालांकि चर्चा है कि मैनपुरी के पूर्व सांसद तेजप्रताप यादव को करहल विधानसभा से चुनाव लड़ाया जा सकता है। अखिलेश, नेता प्रतिपक्ष का पद छोड़ेंगें। हालांकि सपा का नया

नेता प्रतिपक्ष कौन होगा इसको लेकर अखिलेश दिल्ली से लौट कर फैसला करेंगे।

भर्ती बोर्ड के बाहर हेड ऑपरेटर अभ्यर्थियों का प्रदर्शन

लखनऊ। लोकसभा चुनाव खत्म होते ही उत्तर प्रदेश में पुलिस भर्ती परीक्षा के अभ्यर्थियों ने अपनी नियुक्ति की मांग को लेकर प्रदर्शन शुरू कर दिया है। राजधानी लखनऊ में गुरुवार सुबह उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती बोर्ड मुख्यालय के बाहर यूपी पुलिस रेडियो संवर्ग भर्ती २०२२ के सैकड़ों अभ्यर्थियों ने प्रदर्शन किया। बता दें कि साल २०२२ में पुलिस भर्ती बोर्ड ने यूपी पुलिस रेडियो संवर्ग भर्ती परीक्षा आयोजित की। जिसमें रेडियो अ परेटर, हेड अ परेटर, परिचालक के रिक्त पदों पर भर्ती होनी थी। प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों का आरोप है कि यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा बोर्ड ने २०२१ में विज्ञापन जारी करते हुए हेड अ परेटर के पदों के लिए बीटेक और डिप्लोमा की अहर्ता रखी थी। लेकिन परीक्षा संपन्न हुई और परिणाम घोषित होने के बाद अब जब नियुक्ति होने जा रही है तो यूपी पुलिस भर्ती बोर्ड ने बीटेक धारकों को इस भर्ती से बाहर कर दिया है। इसको लेकर सैकड़ों अभ्यर्थी डीजी भर्ती बोर्ड से मिलकर अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपने आए है। अभ्यर्थियों ने मांग करते हुए कहा कि परीक्षा हुए २ साल बीत गए है, इस भर्ती में बीटेक और डिप्लोमा धारकों को शामिल करके उनकी नियुक्ति की जाए।

मंत्री दयाशंकर ने बताई UP में बीजेपी के हारने की वजह, कही ये बड़ी बात

लखनऊ। बीते लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी का प्रदर्शन उत्तर प्रदेश में बहुत अच्छा नहीं रहा। इसको लेकर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व समेत प्रदेश भाजपा के

पदाधिकारी मंथन करने में जुटे हैं। वहीं इस सबके बीच उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री दयाशंकर सिंह ने प्रदेश में भाजपा के खराब प्रदर्शन को लेकर बड़ी बात कही है। दयाशंकर सिंह ने कहा आरक्षण और संविधान बदलने को लेकर जो अफवाहें फैलाई गई और मतदाताओं को जो भ्रामक जानकारी दी गई उसका असर उत्तर प्रदेश में नतीजों में देखने को मिला। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी अपनी तरफ से हुई कमियों को लेकर वृहद स्तर पर समीक्षा करेगी। उन्होंने कहा कि हार के कारणों को लेकर बूथ स्तर तक समीक्षा की जाएगी। गौरतलब है कि चुनाव परिणाम जारी होने के बाद एनडीए को यूपी में ३६ सीट मिली हैं, जबकि उसके नेता पूरे चुनाव भर ८० सीटों पर जीत के दावे करते रहे। हालाँकि केंद्र में एनडीए अपनी सरकार बनाने जा रहा है लेकिन यूपी में मिली हार को लेकर आने वाले भविष्य की चिंता कहीं न कहीं भाजपा को सता रही है।

बेटे की गला दबाने और मां की हैंगिंग से मौत की पुष्टि, बहनोई पर लगाया आरोप

लखनऊ। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में ११ वर्षीय बेटे निर्पेश की गला दबाने से और ३२ वर्षीया मां अनीता की हैंगिंग से मौत होने की पुष्टि हुई है। जबकि साले ने बहनाई पर भांजे और बहन की हत्या करने का आरोप लगाया है। गुरुवार को उसका बहनाई पोस्टमार्टम हाउस भी नहीं आया। फिलहाल बंथरा इंस्पेक्टर हेमंत राघव का कहना है कि आरोप के संबंध में उन्हें कोई प्रार्थना–पत्र नहीं मिला है। बंथरा थाना अंतर्गत लाऊ खेड़ा निवासी निर्पेश और उसकी मां अनीता के शव संदिग्ध हालात में बुधवार दोपहर करीब एक बजे पड़ोस के गांव भौकापुर में गिरजा शंकर शुक्ला के आम के बाग में मिले थे। घटना स्थल पर निर्पेश का शव जमीन पर पड़ा था और ठीक उसके ऊपर पेड़ पर दुपट्टे से अनीता का शव लटका मिला था। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव मोर्च्युरी में रखवाये थे। गुरुवार को दोनों के शवों का पोस्टमार्टम कराया गया। पोस्टमार्टम हाउस के सूत्रों के मुताबिक पीएम रिपोर्ट में निर्पेश की गला दबाये जाने से मौत हुई है। जबकि अनीता की हैंगिंग से मौत होने की पुष्टि हुई है। उधर, बुद्धेश्वर निवासी नेकपाल यादव ने बताया बहन अनीता की शादी १५ वर्ष पहले लाऊखेड़ा निवासी मनोज यादव के साथ की थी। आरोप है

कि गोपाल आये दिन बहन व भांजे के साथ मारपीट करता था। करीब तीन वर्ष पहले मारपीट से प्रताड़ित होकर बहन ने जहरीला पदार्थ खाकर जान देने की कोशिश की थी। तब कई दिन अस्पताल में भर्ती रही थी। नेकपाल ने बहनाई गोपाल पर बहन व भांजे की हत्या का आरोप लगाया है। इंस्पेक्टर का कहना है कि अभी पोस्टमार्टम रिपोर्ट नहीं मिली है। प्रारंभिक जांच में गोपाल यादव द्वारा हत्या किया जाना प्रतीत नहीं हुआ है। बताया अभी जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट होने पर आगे की कार्रवाई की जायेगी। भौकापुर गांव में आम के बाग में बुधवार को निर्पेश व अनीता के शव मिले थे। मौके पर पहुंची पुलिस ने गोपाल यादव से पूछताछ की थी। उसका कहना था कि वह प्लाईवुड फैक्ट्री में रात में मजदूरी करता है। बुधवार सुबह करीब ७ बजे वह फैक्ट्री से घर लौटा था। लगभग ११ बजे वह सोने जा रहा था। इसी दौरान निर्पेश अपनी मां अनीता से तालाब में नहाने जाने की बात कह रहा था। उसने मना किया था। इसके बाद वह सो गया था। एक बजे उसे घटना की जानकारी हुई थी। मनोज ने गुस्से में पत्नी द्वारा बेटे को डराने के लिये दुपट्टे से गला दबाने के दौरान मौत होने। इसके बाद बेटे की मौत के सदमे में खुद फंदा लगा कर जान देने की आशंका जताई थी।

पार्क में देसी बम बना रहे थे दो युवक, अचानक हुआ विस्फोट, एक का पैर उड़ा, दूसरा फरार

लखनऊ। यूपी की राजधानी लखनऊ के इंदिरा नगर इलाके में एक पार्क में गुरुवार को बम बनाते समय विस्फोट हो गया। जिसमें एक युवक घायल हो गया वहीं दूसरा भाग निकला। इस घटना के बाद बम की आवाज से आसपास दहशत फैल गई। कुछ देर में ही सूचना पर पुलिस भी पहुंच गई। तब तक पार्क में लोगों की भीड़ जमा हो गई थी। पुलिस ने घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज चल

रहा है। वहीं अभी तक फरार दूसरे युवक के बारे में कुछ पता नहीं चला है। इस संबंध में पुलिस घायल से जानकारी ले रही है। वहीं इस घटना से लोगों के बीच दहशत बनी है। पुलिस के मुताबिक पार्क में बम बनाते समय यह धमाका हुआ है। घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उससे उसके साथी के बारे में जानकारी ली जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। मौके पर अफरातफरी मच गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया है। साथ ही फरार युवक की तलाश की जा रही है। बता दें कि इंदिरा नगर इलाके में स्थित एक पार्क में दो युवक देशी बम बना रहे थे। इस बीच बम फट गया। इससे बम बना रहे एक युवक के पैर में गंभीर जख्म बन गए। बुरी तरह घायल युवक चिल्लाने लगा तो वहीं उसका साथी युवक यह देख वहां से भाग निकला।

राहुल गांधी के आरोपों पर BJP का पलटवार, पीयूष गोयल बोले- निवेशकों को डराने और गुमराह करने की रच रहे साजिश

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को सबसे बड़ा शेयर बाजार घोटाला होने का आरोप लगाते हुए इसकी जांच संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से कराने की मांग की। हालांकि, इसी को लेकर भाजपा की ओर से पलटवार किया गया है। बीजेपी नेता पीयूष गोयल ने कहा कि राहुल गांधी अभी भी लोकसभा चुनाव में मिली हार से उबर नहीं पाए हैं। अब वह बाजार के निवेशकों को गुमराह करने की साजिश रच रहे हैं। आज भारत पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। गोयल ने साफ तौर पर कहा कि आज राहुल गांधी ने प्रेसवार्ता कर जो भाजपा और हमारे नेताओं पर अनाप–शनाप आरोप लगाए हैं, इससे साफ जाहिर होता है कि लोकसभा चुनाव में विपक्ष की हार की हताशा से राहुल गांधी जी उबर नहीं पाए हैं। अब राहुल गांधी मार्केट के इंवेस्टर्स को भी गुमराह करने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि आज पूरी दुनिया, भारत को सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में स्वीकार करती है। मोदी जी ने देश को आश्वस्त किया है कि उनके तीसरे टर्म में देश विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। भाजपा नेता ने साफ तौर पर कहा कि मोदी जी के तीसरे टर्म में आने से राहुल गांधी परेशान नजर आ रहे हैं। इसलिए वो (राहुल गांधी) अपने बयानों के साथ विदेश और देश के निवेशकों को भ्रमित करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के पिछले १० वर्षों में पहली बार हमारा मार्केट कैप ५ ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो गया है। आज भारत का इक्विटी बाजार दुनिया की शीर्ष ५ अर्थव्यवस्थाओं के मार्केट कैप में शामिल हो गया है...हम जानते हैं कि मोदी सरकार के तहत बाजार में सूचीबद्ध पीएसयू का मार्केट

कैप ४ गुना बढ़ गया है। बीजेपी नेता पीयूष गोयल कहते हैं, '१० साल पहले जब यूपीए सरकार सत्ता में थी, उस समय भारत का मार्केट कैप ६७ लाख करोड़ रुपये था...आज मार्केट कैप बढ़कर ४१५ लाख करोड़ रुपये हो गया है...।' राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृह मंत्री अमित शाह द्वारा दी गई शेयर खरीदने की सलाह और फिर चुनाव के बाद आए झूठे एग्जिट पोल के कारण स्ट क बाजार में सबसे बड़ा घोटाला हुआ है जिसमें निवेशकों के ३० लाख करोड़ रुपये डूब गए। उन्होंने कहा कि इस आपराधिक कृत्य में प्रधानमंत्री और गृह मंत्री और एग्जिट पोल करने वालों की भूमिका की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का गठन किया जाए। राहुल गांधी ने संवाददाताओं से कहा, पहली बार हमने नोट किया कि चुनाव के समय प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और वित्त मंत्री ने स्टॉक बाजार पर टिप्पणी की...फिर एक जून को झूठे एग्जिट पोल आए। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के आंतरिक सर्वे में २२० सीट मिल रही थी, लेकिन एग्जिट पोल में ज्यादा सीटें दिखाई गईं। राहुल गांधी का कहना था, तीन जून को स्ट क बाजार सारे रिकॉड तोड़ देता है, चार जून को खटाक से नीचे चला जाता है। हजारों करोड़ रुपये का निवेश किया गया था। खुदरा निवेशकों के ३० लाख करोड़ रुपये डूब गए। उन्होंने सवाल किया कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने निवेश की सलाह क्यों की? पांच करोड़ निवेशकों को शेयर खरीदने की सलाह क्यों दी गई? फायदा उठाने वाले विदेशी निवेशक कौन हैं? कांग्रेस नेता ने कहा कि यह स्टॉक बाजार सबसे बड़ा घोटाला है तथा आपराधिक कृत्य है और इस मामले की जांच के लिए जेपीसी का गठन होना चाहिए। राहुल गांधी ने कहा कि इसमें प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और एग्जिट पोल करने वालों की भूमिका की जांच होनी चाहिए।

राहुल गांधी की बढ़ सकती हैं मुश्किलें, इस केस में ७ जून होगी कोर्ट में पेशी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी २०२३ के राज्य चुनावों से पहले स्थानीय समाचार पत्रों में भगवा पार्टी को भ्रष्ट बताने वाले विज्ञापन के खिलाफ कर्नाटक की

भाजपा इकाई द्वारा दायर मानहानि के मामले में कल बेंगलुरु की स्थानीय अदालत में पेश होंगे। इससे पहले कोर्ट ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डी के शिवकुमार को जमानत दे दी थी। केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी), शिवकुमार और सिद्धारमैया के बाद राहुल गांधी इस मामले में चौथे आरोपी हैं, जो पहले तीन आरोपी हैं। कर्नाटक की भाजपा इकाई ने अदालत से राहुल गांधी के खिलाफ १ जून को उपस्थित नहीं होने के लिए गैर–जमानती वारंट जारी करने की मांग की है, जबकि कांग्रेस ने कहा था कि राहुल विज्ञापन के प्रकाशन में शामिल नहीं थे। राहुल को बंधन से मुक्त कर दिया गयाय हालाँकि, अदालत ने कहा कि उन्हें ७ जून को उपस्थित होना होगा। बीजेपी एमएलसी और महासचिव केशव प्रसाद ने कांग्रेस के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था। कांग्रेस ने सभी सार्वजनिक कार्यों के क्रियान्वयन में ४० फीसदी कमीशन वसूलने का आरोप लगाते हुए विज्ञापन में पिछली सरकार पर निशाना साधते हुए 'भ्रष्टाचार रेट कार्ड' भी जारी किया।

शेयर बाजार को लेकर मोदी और अमित शाह ने क्यों दिया बयान? राहुल ने लगाया घोटाले का आरोप, JPC की मांग की

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कुछ गंभीर आरोप लगाते हुए ४ जून के शेयर बाजार दुर्घटना की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच कराने की मांग की। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने यह भी सवाल किया कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सहित शीर्ष भाजपा नेताओं ने चुनाव परिणामों की घोषणा से कुछ दिन पहले शेयर बाजार के बारे में टिप्पणियां क्यों कीं। राहुल गांधी ने कहा कि पहली बार हमने देखा कि चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री ने शेयर बाजार पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने निवेशकों को निवेश करने की सलाह क्यों दी। उन्होंने कहा कि 'फर्जी' एग्जिट पोल के बाद शेयर बाजार में तेजी आई और फिर चार जून को गिरावट आई। राहुल ने साफ तौर पर कहा कि खुदरा निवेशकों को ३० लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ, यह शेयर बाजार का सबसे बड़ा 'घोटाला' है। उन्होंने कहा कि निवर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और निवर्तमान गृह मंत्री शाह ने

क्यों दी निवेश की सलाहय भाजपा नेताओं को 'एग्जिट पोल' के गलत होने की जानकारी थी। कांग्रेस नेता ने साफ तौर पर कहा कि हम इस सबसे बड़े शेयर बाजार 'घोटाले' की जेपीसी से जांच चाहते हैं। उन्होंने कहा कि पहली बार हमने यह नोट किया कि चुनाव के समय प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, वित्त मंत्री ने शेयर बाजार पर टिप्पणी दी। प्रधानमंत्री ने दो–चार बार कहा कि शेयर बाजार तेजी से बढ़ने जा रही है. .. उनके मैसेज को वित्त मंत्री और गृह मंत्री ने भी आगे बढ़ाया। अमित शाह कहते हैं ४ चार जून से पहले शेयर खरीदें। प्रधानमंत्री ने भी यही कहा और २८ मई को फिर से दोहराया... ३ जून को शेयर बाजार सारे रिक र्ड तोड़ देता है और ४ जून को शेयर बाजार नीचे चला जाता है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, ष्इसमें भाजपा के सबसे बड़े नेताओं ने कहा है और रिटेल इंवेस्टर को मैसेज दिया है. .. उनके पास जानकारी थी कि भाजपा को पूर्ण बहुमत नहीं मिलने वाला है, वे जानते थे की ३–४ जून को क्या होने वाला है... ३० लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है और हजारों–लाखों करोड़ रुपए का चुने हुए लोगों को फायदा हुआ है, हम प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, जिन्होंने एग्जिट पोल किया उनपर और विदेशी निवेशक पर जांच चाहते हैं।'

चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर CISF की महिला सिपाही ने कंगना रनौत को मारा थप्पड़

नई दिल्ली। चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की एक महिला

सिपाही नेबृहस्पतिवार को दिल्ली जा रही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नवनिर्वाचित सांसद कंगना रनौत को कथित रूप से थप्पड़ मार दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि महिला सिपाही के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होने के बाद उसे निलंबित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि कंगना के विमान में सवार होने से पहले हवाई अड्डे पर तलाशी के दौरान सीआईएसएफ सिपाही ने कथित रूप से अभिनेत्री को थप्पड़ मारा। हिमाचल प्रदेश की मंडी सीट से लोकसभा के लिए निर्वाचित होने वाली कंगना ने कांग्रेस के प्रत्याशी विक्रमादित्य सिंह को ७४ हजार मतों से शिकस्त दी थी।

शरद पवार ने पार्टी के नवनिर्वाचित सांसदों के साथ बैठक की

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार ने बृहस्पतिवार को पार्टी के नवनिर्वाचित सांसदों के साथ यहां पर बैठक की। राकांपा (शरदचंद्र पवार) ने हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव मेंमहाराष्ट्र की १० सीट से लड़ा था और आठ में विजयी हुई है। पार्टी ने महा विकास आघाडी (एमवीए) के बैनर तले शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस के साथ चुनावी मैदान में उतरी थी। मुंबई में पार्टी कार्यालय में हुई बैठक में केवल सुप्रिया सुले (बारामाती) और नीलेश लंके (अहमदनगर) मौजूद नहीं थे। अन्य सभी सांसद अमोल कोल्हे (शिरुर), भास्कर भागरे (डिंडोरी), सुरेश म्हात्रे (भिवंडी),

बजरंग सोनवणे (बीड), धैर्यशील मोहिते पाटिल (माढ़ा) और अमर काले (वर्धा) उपस्थित थे। पवार ने नवनिर्वाचित सांसदों और पार्टी कार्यकर्ताओं से बातचीत की और चुनाव में पार्टी के प्रदर्शन पर चर्चा की। राकांपा (शरदचंद्र पवार) ने १० में से आठ सीट पर जीत दर्ज कर ८० प्रतिशत सफलता हासिल की है। इसके उलट पार्टी से अलग हुए और अब राज्य के उप मुख्यमंत्री पद पर आसीन अजित पवार के गुट ने केवल एक सीट पर जीत दर्ज की है जबकि चार सीट पर उसने अपने उम्मीदवार उतारे थे। इस प्रकार अजित पवार के गुट की सफलता दर महज २५ प्रतिशत रही।

अयोध्या के भाजपा उम्मीदवार लल्लू सिंह की जुबान बनीं उत्तर प्रदेश में नरेंद्र मोदी की हार का कारण? संविधान पर दिए बयान ने डुबो दी नाव

अयोध्या। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी का फैजाबाद लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के दलित उम्मीदवार से हारना किसी राजनीतिक पर्यवेक्षक या चुनाव विश्लेषक की भविष्यवाणी की सूची में नहीं रहा होगा। बीजेपी ने भगवान राम के कथित जन्मस्थान पर भव्य राम मंदिर बनाने का अपना दशकों पुराना वादा पूरा किया लेकिन इसके पांच महीने बाद ऐसा हुआ। मतदाताओं ने भाजपा के लल्लू सिंह को वोट न देकर बाहर कर दिया। दो बार के सांसद लल्लू सिंह को समाजवादी पार्टी के अवधेश प्रसाद ने ५४,५६७ मतों से हराया। फैजाबाद/अयोध्या सीट की हार ने पार्टी की उत्तर प्रदेश सीटों की संख्या को २०१६ में ६२ सीटों से घटाकर अब ३३ ला दिया और एक मजबूत राज्य में भावनात्मक रूप से करारी हार दिलाई। राजनीतिक पर्यवेक्षकों के अनुसार, राम मंदिर तक जाने वाले राम पथ के लिए भूमि अधिग्रहण और इस प्रक्रिया में जिन दुकानों और घरों को गिराया गया, उन्हें कथित तौर पर मुआवजा न दिया जाना, भाजपा की पहली गलती थी। लेकिन मौजूदा सांसद और भाजपा उम्मीदवार लल्लू सिंह की यह कठोर टिप्पणी ताबूत में आखिरी कील साबित हुई। अप्रैल में मिल्कीपुर में एक जनसभा में

लल्लू सिंह ने जनता से भाजपा को वोट देने के लिए कहा क्योंकि सरकार को 'नया संविधान बनाने के लिए संसद में दो–तिहाई बहुमत की आवश्यकता होगी'। वायरल हुए वीडियो में लल्लू सिंह को जानबूझकर यह कहते हुए सुना गया कि २७२ सीटों के बहुमत से बनी सरकार भी 'संविधान में संशोधन नहीं कर सकती'। 'इसके लिए, या यहां तक कि अगर नया संविधान बनाना है, तो भी दो–तिहाई से अधिक बहुमत की आवश्यकता है।' इस टिप्पणी का समय दो मामलों में गलत था। सबसे पहले, यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मतदाताओं को यह आश्वासन देने के कुछ दिनों बाद आया कि कोई भी सरकार संविधान को नहीं बदल सकती। दूसरा, लल्लू सिंह ने अंबेडकर जयंती पर यह टिप्पणी की – जिसे दलित आइकन बीआर अंबेडकर की जयंती के रूप में मनाया जाता है, जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता के बाद संविधान का मसौदा तैयार करने वाली समिति का नेतृत्व किया था। कई रिपोर्टों के अनुसार, यह टिप्पणी फैजाबाद के मतदाताओं को पसंद नहीं आई, जिनमें से २२: ओबीसी, २१: दलित और १६: मुस्लिम हैं। जब यह टिप्पणी विवाद में बदल गई और इंडिया ब्ल क को भाजपा पर हमला करने के लिए और अधिक हथियार मिल गए, तो लल्लू सिंह ने दावा किया कि यह टिप्पणी "जीभ की फिसलन" थी और कहा कि वह संविधान संशोधनों के बारे में बात करने की कोशिश कर रहे थे और संविधान को बदलने या फिर से लिखने के बारे में नहीं। रिपोर्ट्स यह भी बताती हैं कि लल्लू सिंह जमीनी स्तर पर मतदाताओं से जुड़ने में चूक गए, और केवल राम मंदिर और नरेंद्र मोदी के कारकों पर निर्भर होकर जीत हासिल की। दूसरी ओर, समाजवादी पार्टी ने कुछ कार्ड सही खेले। इसने सामान्य श्रेणी की सीट पर दलित उम्मीदवार को मैदान में उतारने का साहसिक कदम उठाया और भूमि अधिग्रहण और राम मंदिर से परे बुनियादी नागरिक सुविधाओं की कमी को लेकर स्थानीय भावनाओं को समझा। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि अखिलेश यादव ने ग्रामीण अयोध्या में रैलियां कीं। लल्लू सिंह के लिए यह हार स्पष्ट चुनावी हार से परे एक व्यक्तिगत झटका है। इसने उन्हें हैट्रिक बनाने वाले फैजाबाद के पहले सांसद बना दिया। अयोध्या शहर के पास रायपुर गांव के मूल निवासी, लल्लू सिंह ने अयोध्या निर्वाचन क्षेत्र से विधायक के रूप में अपना चुनावी करियर शुरू किया। उन्होंने पांच बार सीट जीती – १९९१, १९९३, १९९६, २००२ और २००७। २०१४ में, उन्होंने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में फैजाबाद सीट जीतकर पहली बार लोकसभा में प्रवेश किया। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी और सपा उम्मीदवार मित्रसेन यादव को २,८२,७७५ मतों से हराया था और ४८.०८: वोट शेयर प्राप्त किया था। लल्लू सिंह ने २०१६ के चुनाव में सपा के आनंद सेन यादव और कांग्रेस के डॉ. निर्मल खत्री को हराकर अपनी सीट बरकरार रखी। हालांकि, २०१६ में उनकी जीत का अंतर काफी कम होकर ६५,४७७ वोट रह गया था।

अग्नीपथ योजना चुनाव में बनी अहम मुद्दा, सरकार गठन से पहले ही साथी दलों ने उठाई समीक्षा करने की मांग

१८वें लोकसभा चुनावों के दौरान अग्निपथ योजना एक अहम मुद्दा बनी रही। सेना में भर्ती की ये नई स्कीम लगातार चर्चा में बनी रही। कांग्रेस ने घोषणा पत्र में दावा किया था कि सत्ता में आने पर अग्नीपथ स्कीम को ही हटा दिया जाएगा। इसकी जगह कांग्रेस ने नई योजना लाने का वादा भी किया था। चुनावों के दौरान इस योजना को लेकर मोदी सरकार पर राहुल गांधी भी हमलावर रहे थे। माना जा रहा है कि एनडीए को हरियाणा, राजस्थान, पंजाब और यूपी जैसे राज्यों में कम सीटें मिली है जिसका प्रमुख कारण अग्नीपथ योजना भी रही है। इसे लेकर युवाओं में काफी नाराजगी देखने को मिल रही है। वर्ष २०१९ के मुकाबले वोट शेयर में भी गिरावट आई है। वहीं इस योजना के विरोध में सरकार के गठन से पहले ही एनडीए का समर्थन कर रहे दलों ने बोलना शुरू कर दिया है। ऐसे में संभावना है कि आने वाले समय में केंद्र सरकार को इस योजना पर पुनर्विचार करना पड़ सकता है। वर्ष २०२२ में संसद में मोदी सरकार ने अग्निपथ योजना को लागू किया था, जिसके बाद युवाओं की नाराजगी का सामना उसे करना पड़ा था। इस योजना का विरोध उन युवाओं ने किया था जो सेना में भर्ती होने के लिए आवेदन कर रहे थे। इस योजना के विरोध में काफी प्रदर्शन किए गए थे मगर सरकार ने इस योजना को वापस नहीं लिया था। वहीं इस योजना को विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव में मुद्दा भी बनाया गया। कांग्रेस पार्टी ने अपने घोषणा पत्र में भी वादा किया था कि इस योजना को सत्ता में आने पर हटाया जाएगा। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के महत्वपूर्ण घटक दल जनता दल (युनाइटेड) ने केंद्र में सरकार गठन को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से की जा रही कवायदों के बीच सेना में भर्ती की 'अग्निपथ' योजना की समीक्षा करने की मांग उठाई है। इस संबंध में जदयू नेता केसी त्यागी ने कहा कि अग्निपथ योजना से मतदाता काफी नाराज थे। हमारी पार्टी की सोच है कि योजना की कमियों और खामियों को दूर किया जाना चाहिए। बता दें कि इस योजना के समर्थन में चुनाव के दौरान अमित शाह ने कहा था कि युवाओं के लिए 'अग्निपथ' से अधिक आकर्षक कोई योजना हो ही नहीं सकती, क्योंकि यह चार साल के बाद सेवानिवृत्त होने वाले 'अग्निवीरों' के लिए सशस्त्र बलों में पूर्णकालिक सरकारी नौकरी की गारंटी देती है। शाह ने कहा था कि उन्हें कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तरस आता है, जिन्होंने 'इंडिया' गठबंधन के सत्ता में आने पर इस

अल्पकालिक भर्ती योजना को खत्म करने का वादा किया है। शाह ने दावा किया कि चार साल के कार्यकाल के बाद सेवानिवृत्त होने वालों के लिए नौकरी के अवसर उनकी संख्या से साढ़े सात गुना अधिक होंगे, क्योंकि उनके लिए विभिन्न राज्य पुलिस बलों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) में आरक्षण की व्यवस्था की गई है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश के राजनीतिक सलाहकार और पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता त्यागी ने हालांकि यह स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के खिलाफ नहीं है। भाजपा ने अपने चुनावी घोषणापत्र में सत्ता में आने पर यूसीसी लागू करने का वादा किया है। त्यागी ने कहा, ''यूसीसी पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष होने के नाते मुख्यमंत्री (नीतीश कुमार) विधि आयोग के अध्यक्ष को चिट्ठी लिख चुके हैं। हम इसके विरुद्ध नहीं हैं। लेकिन जितने भी हितधारक हैं, चाहे मुख्यमंत्री हों, विभिन्न राजनीतिक दल हों या समुदाय हों, सबसे बात करके ही इसका हल निकाला जाना चाहिए। जाति आधारित जनगणना के सवाल पर जद(यू) नेता ने कहा कि देश में किसी भी पार्टी ने इसके विरोध में नहीं कहा है। उन्होंने कहा, ''इस मामले में बिहार ने रास्ता दिखाया है। प्रधानमंत्री ने भी सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में इसका विरोध नहीं किया। जाति आधारित जनगणना समय की मांग है। हम इसे आगे बढ़ाएंगे।'' एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि जद (यू) ने राजग को बिना शर्त समर्थन दिया है लेकिन बिहार को विशेष राज्य के दर्जे की मांग 'हमारे दिल' में है। जद (यू) के वरिष्ठ नेता का ये बयान बुधवार को राजग की बैठक के एक दिन बाद आया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस बैठक में सर्वसम्मति से राजग का नेता चुना गया था। राजग ने लोकसभा चुनाव में २९३ सीटें जीती हैं जो ५४३ सदस्यीय सदन में बहुमत के २७२ के आंकड़े से अधिक हैं। इससे मोदी के लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने का मार्ग प्रशस्त हुआ। संख्या के लिहाज से चंद्रबाबू नायडू नीत तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) के बाद जद (यू) राजग का तीसरा सबसे बड़ा घटक है। तेदेपा ने इस चुनाव में १६ जबकि जबकि जद (यू) ने १२ सीटों पर जीत दर्ज की है।

जेल में सजा काटते हुए चुनाव जीत गया अमृतपाल, अब शपथ लेने के लिए चाहिए कोर्ट की इजाजत

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव २०२४ के नतीजे सामने आ गए है। इस चुनाव में दो ऐसे उम्मीदवारों ने भी जीत दर्ज की है जो लंबे समय से जेल में बंद है। इस सूची में अमृतपाल सिंह और इंजीनीयर राशिद का नाम शामिल है। इन दोनों ही उम्मीदवारों ने लोकसभा चुनाव को जीत लिया है। मगर अब सवाल ये खड़ा होता है कि जेल में रहते हुए दोनों उम्मीदवार जनता की सेवा कैसे कर सकेंगे। इन दोनों पर जो मुकदमे चलाए जा रहे हैं उनका क्या होगा। और क्या ये दोनों जेल से बाहर आ सकेंगे ताकि शपथ ग्रहण कर सकें। लोकसभा चुनाव में दो उम्मीदवारों ने जेल में रहते हुए चुनाव में जीत हासिल की है। अमृतपाल सिंह ने पंजाब के खडूर साहिब और इंजीनियर शेख अब्दुल रशीद बारामूला से जीत गए है। जीत के साथ दोनों ही उम्मीदवार अब सांसद तो बन गए है मगर सवाल ये हैं कि दोनों को जेल में शपथ कैसे दिलवाई जाएगी और क्या ये शपथ लेने के लिए जेल से बाहर आएंगे। जानकारी के मुताबिक दोनों को शपथ दिलाई जा सकती है मगर वो संसद की कार्यवाही में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। दोनों ही सांसद जेल में आतंकवाद के आरोप में सजा काट रहे है। इंजीनीयर शेख अब्दुल रशीद पर आरोप है कि उसने आतंकवाद को वित्त पोषित किया था। उसे नौ अगस्त

२०१६ से दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद रखा गया है। वहीं अमृतपाल सिंह असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद है। उस पर राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत आरोप लगाया गया है। दोनों ही सांसद जेल में बंद रहने के दौरान क्या शपथ ले सकते हैं? लोकसभा चुनाव जीतने के बाद कैसे ली जाती है जेल से शपथ, जानें यहां। चुनाव में जीत हासिल करने के बाद कोई भी उम्मीदवार शपथ ग्रहण करने के लिए योग्य होता है। जीते हुए उम्मीदवार का शपथ लेना अधिकार होता है। अगर जीता हुआ उम्मीदवार जेल में सजा काट रहा है तो जेल उसे जेल अधिकारियों को कहना होगा कि उसे शपथ ग्रहण समारोह में ले जाने के लिए संसद तक ले जाए। शपथ लेने के बाद ऐसे उम्मीदवारों को दोबारा संसद में लौटना होगा। संविधान के अनुच्छेद १०१ (४) में ये कहा गया है कि शपथ समारोह के बाद सदन से उनकी अनुपस्थिति के संबंध में अध्यक्ष को सूचना भेजी जाएगी। स्पीकर सदस्यों की अनुपस्थिति के मामले पर समिति को सदन में भाग लेने में असमर्थता के संबंध में सूचना देंगे। अगर दोनों ही उम्मीदवारों को दोषी ठहराया जाता है और उन्हें दो साल की जेल होती है तो उनकी लोकसभा सदस्यता उनसे छीन ली जाएगी। इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट ने २०१३ में कहा था कि ऐसे सांसद और विधायकों को अयोग्य घोषित किया जाएगा।

मोदी सरकार में पांच कैबिनेट पद चाहती है TDP, अपनी सहयोगी जन सेना के लिए भी मांगा दो

नई दिल्ली। गुरुवार को पार्टी अध्यक्ष एन चंद्रबाबू नायडू की अध्यक्षता में तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) संसदीय दल की बैठक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से पार्टी नेताओं को पांच और केंद्र में उसकी सहयोगी जन सेना को दो कैबिनेट सीटें आवंटित करने का अनुरोध करने का निर्णय लिया गया। पार्टी नेताओं ने गुरुवार को यह बात कही। हाल ही में संपन्न आम चुनाव में नायडू के नेतृत्व वाली टीडीपी ने २५ लोकसभा सीटों में से १६, जन सेना ने दो और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के हिस्से के रूप में भाजपा ने तीन सीटें जीतीं। टीडीपी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि पार्टी आंध्र प्रदेश के लिए विशेष दर्जे की भी मांग करेगी क्योंकि २०१४ में राज्य के विभाजन के कारण उसने अपना सबसे बड़ा राजस्व स्रोत – हैदराबाद – खो दिया है। पार्टी के एक सांसद ने कहा कि मंत्री पद के लिए हमारा अनुरोध उस विशेष पैकेज पर आधारित है जिसका वादा पुनर्गठन के समय आंध्र प्रदेश को किया गया था। विशेष दर्जे की आवश्यकता मूल रूप से राज्य में प्रमुख विकास परियोजनाओं के लिए केंद्रीय अनुदान है। विजयवाड़ा के बाहरी इलाके उंदावल्ली में नायडू के आवास पर हुई बैठक में, पार्टी ने पूरे कार्यकाल के दौरान एनडीए का समर्थन करने का वादा किया, भले ही भाजपा अपने विधायक दल के नेता के रूप में किसे चुने।

प्राथमिकताओं की सूची में सबसे ऊपर आंध्र प्रदेश के पिछड़े सात जिलों के लिए अनुदान है – तीन उत्तर आंध्र से और चार रायलसीमा क्षेत्र से। टीडीपी नेताओं में से एक, कलामा श्रीनिवासुलु ने कहा विशेष विकास परियोजना (एसडीपी) फंड के हिस्से के रूप में, हमने विजयवाड़ा के लिए मेट्रो परियोजना में ५०–५० हिस्सेदारी, सागरमाला परियोजना को पांच साल तक जारी रखने और राज्य और राष्ट्रीय विकास के लिए उद्योग और बिजली सब्सिडी के लिए केंद्र से अनुरोध करने का निर्णय लिया है।

राहुल गांधी बनेंगे लोकसभा में विपक्ष के नेता? उठने लगी मांग, कांग्रेस सांसद ने कही बड़ी बात

नई दिल्ली। आम चुनावों में इंडिया ब्लॉक के मजबूत प्रदर्शन के बीच लोकसभा में ९६ सीटों के साथ, कांग्रेस अब संसद में विपक्ष के नेता के पद पर दावा करने की हकदार है। परिणामस्वरूप, राहुल गांधी के लिए यह प्रतिष्ठित पद संभालने की मांग तेज हो रही है। इससे पहले दिन में, कांग्रेस के निर्वाचित सांसद मनिकम टैगोर ने एक्स पर एक पोस्ट में पूर्व पार्टी अध्यक्ष से निचले सदन में कांग्रेस का नेता बनने का आग्रह किया था। तमिलनाडु के विरुधुनगर से जीतने वाले टैगोर ने कहा कि मैंने अपने नेता राहुल गांधी के नाम पर वोट मांगा। मेरा मानना घ्छै कि उन्हें लोकसभा में कांग्रेस का नेता होना चाहिए। मुझे उम्मीद है कि निर्वाचित कांग्रेस सांसद भी ऐसा ही सोचेंगे। देखते हैं कांग्रेस संसदीय दल क्या फैसला करता है। हम एक डेमोक्रेटिक पार्टी हैं। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने भी यही बात दोहराई और कहा, ''राहुल जी ने प्रचार अभियान का नेतृत्व किया। वह चेहरा थे। वह लोकसभा संसदीय

दल के नेतृत्व की जिम्मेदारी संभालने के लिए बाध्य हैं। राहुल गांधी सभी फैसले नहीं ले सकते कुछ निर्णय निश्चित रूप से पार्टी नेताओंध्सांसदों को सर्वसम्मति से लेने होंगे। 'कांग्रेस नेता कार्ति चिदंबरम ने कहा, '...मुझे लगता है कि यह स्थान कांग्रेस के पास आएगा। मेरी निजी राय है कि राहुल गांधी को खुद ही कांग्रेस की ओर से विपक्ष के नेता का पद संभालना चाहिए।' राहुल गांधी, जिन्होंने २०१६ के लोकसभा चुनावों में सबसे पुरानी पार्टी की हार के बाद कांग्रेस अध्यक्ष का पद छोड़ दिया था, को पार्टी २०२४ में शानदार वापसी का श्रेय दे रही है। सिर्फ कांग्रेस नेता ही नहीं, यहां तक कि शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने भी गांधी की प्रशंसा की। राउत ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अगर राहुल गांधी नेतृत्व स्वीकार करने के लिए तैयार हैं, तो हमें आपत्ति क्यों होगी? उन्होंने कई बार खुद को राष्ट्रीय नेता के रूप में साबित किया है। वह लोकप्रिय नेताओं में से एक हैं. हम सभी उसे चाहते हैं और उससे प्यार करते हैं। गठबंधन में कोई आपत्ति या मतभेद नहीं है।

कोई राजनीति नहीं.... कोर्ट ने हरियाणा से कहा कि हिमाचल प्रदेश का पानी दिल्ली तक पहुंचे

नई दिल्ली। गर्मी के कारण पानी की कमी से जूझ रही दिल्ली को हिमाचल प्रदेश से अतिरिक्त पानी मिलने वाला है। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को आदेश दिया कि पहाड़ी राज्य को दिल्ली को १३७ क्यूसेक अतिरिक्त पानी देना होगा और

हरियाणा से हिमाचल से दिल्ली तक पानी पहुंचाने के लिए कहा। कोर्ट ने कहा, ष्हरियाणा सरकार को हिमाचल से मिलने वाले पानी को बिना किसी बाधा के दिल्ली के वजीराबाद तक पहुंचने देना चाहिए, ताकि दिल्ली के लोगों को पीने का पानी मिल सके।ष् हालांकि, हरियाणा ने कहा कि हिमाचल से मिलने वाले इस अतिरिक्त पानी को मापने और अलग करने की कोई व्यवस्था नहीं है। जस्टिस प्रशांत के मिश्रा और जस्टिस केवी विश्वनाथन की अवकाश पीठ ने कहा कि हिमाचल ने अतिरिक्त पानी देने पर सहमति जताई है और हरियाणा की दलील को खारिज कर दिया। पीठ ने कहा कि पानी को लेकर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। कोर्ट ने कहा, ष्इस बात पर कोई विवाद नहीं है कि दिल्ली भीषण गर्मी में पीने के पानी के गंभीर संकट से गुजर रही है। हरियाणा भी भीषण गर्मी से गुजर रहा है, लेकिन पानी की कमी का कोई आंकड़ा नहीं है।ष् सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार से यह भी कहा कि वह इस दौरान पानी की बर्बादी न होने दे। उसने सोमवार तक स्थिति रिपोर्ट मांगी है, जब मामले की फिर से सुनवाई होगी। पिछले महीने उत्तर– पश्चिमी क्षेत्र में भीषण गर्मी के कारण दिल्ली में भीषण जल संकट है। पूरे शहर में तापमान ४०–५० डिग्री के बीच दर्ज किया गया। राजधानी में हीटस्ट्रोक के कारण एक व्यक्ति की मौत भी दर्ज की गई। शहर सरकार ने पिछले महीने केंद्र और सुप्रीम कोर्ट से हरियाणा, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश से एक महीने के लिए अतिरिक्त पानी की आपूर्ति की मांग की थी। याचिका में कहा गया है, ष्भीषण गर्मी में दिल्ली की पानी की जरूरत बढ़ गई है। देश की राजधानी की जरूरतों को पूरा करना सभी की जिम्मेदारी है।'

आंधी और बारिश से गिरे पेंड़, टूटे तार

लखनऊ। शहर में बुधवार को देर रात आंधी तूफान के साथ जोरदार बारिश हुई। जिसकी वजह से शहर में कई जगह पर पेड़ टूटकर सड़क किनारे गिर गए। इतना ही नहीं कुछ जगहों पर बिजली के तार भी टूट गए। वहीं आंधी तुफान और बारिश की वजह से हुये नुकसान का जायजा लेने मण्डलायुक्त डॉ. रोशन जैकब ने विभिन्न स्थानों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिये। मण्डलायुक्त डॉ. रोशन जैकब ने नगर निगम, सिंचाई विभाग, बीएसएनल और विद्युत विभाग के अधिकारियों को क्षति का आंकलन करने को भी कहा है। मण्डलायुक्त ने नगर निगम को निर्देश देते हुए कहा कि जहां–जहां तेज आंधी से पेड़ सड़कों और सार्वजनिक स्थलों पर गिर गए हैं, उन्हें तत्काल हटाया जाए। इसके साथ ही पेड़ों से गिरे हुए पत्तों को भी हटाया जाये। वहीं विद्युत विभाग को भी निर्देशित किया गया कि आंधी के चलते बिजली के टूटे और लटके हुए तारों को प्राथमिकता पर ठीक किया जाये। जिससे कि कोई अप्रिय घटना घटित न होने पाए। बीएसएनएल विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि यदि कोई टेलीफोन लाइन क्षतिग्रस्त हुई हो तो टेलीफोन व इंटरनेट लाइनों को ठीक कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। सिंचाई विभाग से गोमती बैराज पर टूटे हुए सेफ्टी जाल को तत्काल प्रभाव से ठीक कराने के निर्देश दिए।

NEET Result 2024: एक ही सेंटर के ६ बच्चे टॉपर, नीट रिजल्ट पर उठ रहे सवाल

लखनऊ। **NEET UG Result 2024** यानी की राष्ट्रीय प्रवेश सह पात्रता परीक्षा (एनईईटी) का परिणाम मंगलवार को घोषित हो गया। जिसके बाद नीट टॉपर लिस्ट का एक पीडीएफ सोशल मीडिया पर वायरल होने लगा। जिसको लोगों ने हाईलाइट कर सवाल पूछना शुरू कर दिया। इसमें ऑनलाइन पढ़ाने वाले शिक्षक भी शामिल रहे। सोशल मीडिया पर वायरल पोस्ट में परीक्षा की पारदर्शिता पर ही सवाल खड़े किये जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर सवाल पूछने वालों ने एनटीए पर ही सवाल खड़ा करना शुरू कर दिया। वह भी यह कहते हुये कि एक ही सेंटर के ६ बच्चों के ७२० में से ७२० नंबर आये हैं। इसके अलावा इनमें दो अन्य बच्चों के ७१६ और ७१८ नंबर आये हैं। खास बात यह रही कि इनमें से ६ बच्चे एक ही कमरे में परीक्षा दे रहे थे। ऐसे में सवाल उठना लाजमी है। हालांकि अमृत विचार इस

सोशल मीडिया पर वायरल पोस्ट की पुष्टि नहीं करता है। नीट रिजल्ट में जिस गड़बड़ की बात सोशल मीडिया पर हो रही है। उसमें एक पीडीएफ वायरल हो रहा है जिसमें एक ही सेंटर के ६ बच्चों के टॉप करने पर सवाल उठाया जा रहा है। इतना ही नहीं जिन रोल नंबर की बात हो रही है। वह भी सीरियल नंबर के बताये जा रहे हैं। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी यानी की एनटीए ने सोशल मीडिया पर उठ रहे सवालों को अफवाह बताया है। एनटीए के प्रतिनिधि से फोन पर हुई बात के दौरान बताया गया है कि ६५ से अधिक बच्चों ने ट प किया है। इस पर कई लोग सवाल उठा रहे हैं, अपना विरोध भी जता रहें हैं,लेकिन वह बिलकुल भी उचित नहीं है। परिणाम पूरी तरह से सटीक हैं। डॉक्टर बनने के लिए छात्रों को नीट परीक्षा देनी होती है। इसी परीक्षा के जरिये भारत के सभी मेडिकल कॉलेजों मे एमबीबीएस और बीडीएस में प्रवेश मिलता है। इसे राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (**NEET&UG**)कहा जाता है।

रुपये लेने कांग्रेस दफ्तर पहुंची महिलायें, गारंटी कार्ड दिखाकर कही यह बात

लखनऊ। राजधानी स्थित कांग्रेस कार्यालय पर बुधवार को कई महिलायें पहुंची। महिलायें एक पर्चा लेकर कांग्रेस कार्यालय पर पहुंची थी। उस पर्चे पर कांग्रेस गारंटी कार्ड लिखा हुआ था। महिलायें पार्टी कार्यालय पर पर्चा जमा कर रुपये लेने आई हुई थीं। इस दौरान कुछ महिलाओं ने गारंटी कार्ड का पर्चा कार्यालय में जमा करने के बारे में वहां मौजूद नेताओं से जानकारी भी ली है। दरअसल, लोकसभा चुनाव के दौरान अप्रैल महीने में कांग्रेस पार्टी की तरफ से एक वादा किया गया था। जिसमें कहा गया था कि गरीबी रेखा से नीचे की श्रेणी में आने वाले परिवारों के लिए हर महीने ८५०० रूपये दिये जायेंगे। यह रूपये परिवार की मुखिया महिला को देने की बात पार्टी की तरफ से कही गई थी। इस दौरान यह भी कहा गया था कि यह पैसे सरकार बनने के बाद दिये जायेंगे। राहुल गांधी भी लोकसभा चुनाव में प्रचार के दौरान कहा करते थे कि हर साल हर महिला के खाते में एक लाख रुपये दिये जायेंगे। कांग्रेस दफ्तर

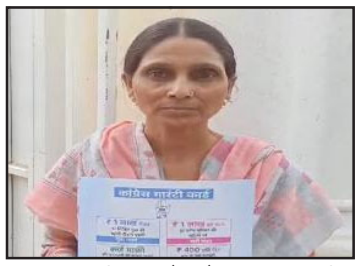

पहुंची महिलाओं ने बताया कि चुनाव के दौरान उनकों फार्म मिला था। वहीं कुछ महिलाओं का कहना था कि यह फार्म आज ही उनकों दिया गया और कहा गया कि कांग्रेस दफ्तर में इसे जमा कर देना। जिसके बाद रुपये दिये जायेंगे। अब जब कांग्रेस पार्टी की जीत हो गई है, तो हम लोग यहां फार्म जमा करने आयें हैं। जिससे रुपये मिल सकें।

पुलिस ने पति समेत ससुराल पक्ष पर दर्ज की एफआईआर

लखनऊ। ठाकुरगंज थाने में एक महिला ने ससुराल पक्ष पर दहेज में पांच लाख रुपये और कार की मांग को लेकर प्रताड़ित किए जाने का आरोप लगाया है। इस बीच महिला ने जेठ पर छेड़खानी का भी आरोप लगाया है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने महिला के पति समेत आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। इंस्पेक्टर ठाकुरगंज श्रीकांत राय ने बताया कि क्षेत्र की रहने वाली महिला की शादी वर्ष २०२३ में कानपुर के महाराजपुर थाना अंतर्गत मौर्यपुरी गांव निवासी प्रतीक कुशवाहा उर्फ शीलू से हुई थी। आरोप है कि कुछ दिन बाद महिला का पति कोचिंग सेंटर खोलने के लिए उससे मायके से पांच लाख रुपये लाने का दबाव बनाने लगा। इंकार करने पर उसे प्रताड़ना झेलनी पड़ी। महिला का आरोप है कि पति प्रतीक जबरन अप्राकृतिक

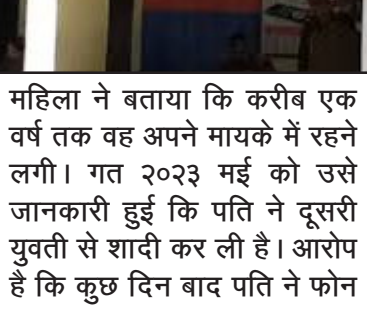

सम्बन्ध बनाने लगा, जिससे उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। इसी बीच जेठ विनोद कुमार कुशवाहा ने भी उसे छेड़खानी की। मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना का विरोध करने पर महिला को घर से निकला दिया गया। हालांकि, मायके वालों हस्ताक्षेप पर वह दोबारा ससुराल पहुंची तो उसे घर में घुसने नहीं दिया। यह आरोप लगाते हुए महिला ने ठाकुरगंज थाने में तहरीर दी, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। जिसके बाद महिला ने डीसीपी मध्य रवीना त्यागी से मदद की गुहार लगाई। जिनके निर्देश पर पति पति प्रतीक कुशवाहा, ससुर राज बहादुर, सास–सल्या व ननद अपराजिता, ननद की बेटी शांतुन, जेठ विनोद कुमार कुशवाहा समेत दो अन्य लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। इंस्पेक्टर ठाकुरगंज ने बताया कि मामला दंपती के आपसी विवाद का है। फिलहाल, जांच में मिले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने एक मकान से १० लाख रुपये से ज्यादा की चोरी करने वाले ४ शातिरों को धरा

लखनऊ। ठाकुरगंज पुलिस ने एक मकान से १० लाख रुपये से भी ज्यादा की चोरी करने वाले ४ शातिरों को धर लिया है। सभी गैंग बना बंद मकानों की रेकी कर वारदात को अन्जाम देते थे। हालांकि, पुलिस शातिरों को गिरफ्तार करने के लिए घटनास्थल से करीब तीन किलोमीटर के दायरे तक २०० से

भी ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगाले थे। डीसीपी पश्चिम ड . दुर्गेश कुमार के मुताबिक, फरीदीपुर निवासी अब्दुल तौहीद ने सोमवार को घर में हुई लाखों की चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी। जिस वक्त चोरों ने उनके घर को निशाना बनाया उस वक्त तौहीद सपरिवार किसी रिश्तेदार के घर पर गए थे। उनका कहना है कि सेंध लगाकर घर में घुसे चोरों ने जेवरात और नकदी पार कर दी थी। डीसीपी ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते से हुए पुलिस की एक टीम तैयार की गई। इसके बाद से पुलिस ने घटनास्थल से करीब तीन किलोमीटर के दायरे तक २०० से भी ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगाले। उसके बाद आधार पर पुलिस ने टीम ने चार संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेते हुए उनसे पूछताछ की, तो आरोपियों ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान ठाकुरगंज के बालागंज निवासी श्याम तिवारी, फरीदीपुर निवासी आशीष गौतम, इकबाल और अनूप सैनी के रूप में की गई है। इसके साथ ही पुलिस ने शातिरों के पास से चोरी किए गए आभूषण समेत अन्य सामान बरामद किया है। चेन स्नैचिंग के मामले में जेल जा चुका है सरगना एडीसीपी विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि इस गैंग का सरगना ई–रिक्शा चालक श्याम तिवारी है। पूर्व में श्याम तिवारी चेन स्नैचिंग के मामले में जेल जा चुका है। जेल से रिहा होने के बाद उसने चोरों का एक गैंग तैयार किया। इसके बाद से वह सदस्यों के साथ मिलकर चोरी की वारदात को अन्जाम देने लगा। इंस्पेक्टर श्रीकांत राय ने बताया कि श्याम गली–मोहल्ले में घूम–घूमकर बंद मकानों की रेकी करता था। फिर चिन्हित मकानों में साथियों के साथ वारदात को अंजाम देता था। इस खेल में श्याम तिवारी और इकबाल मकानों में घुसकर हाथ साफ करते थे। जबकि आशीष गौतम और अनूप सैनी घर के बाहर मोहल्ले वासियों पर नजर रखते थे। वारदात को अंजाम देने के बाद शातिरों रुपयों और गहनों को बंदर बांट कर उन्हें खाने–पीने में खर्च कर देते थे।

महिला ने अपने पति के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए दर्ज कराई एफआईआर

लखनऊ। कृष्णानगर कोतवाली में एक महिला ने अपने पति के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराई है। महिला का आरोप है कि डेढ़ वर्ष पूर्व ने प्रेम–विवाह किया था। गर्भावस्था में पति ने उसका गर्भपात करा दूसरी युवती से शादी रचा ली। पीड़िता के विरोध करने पर आरोपी उसका आपत्तिजनक वीडियो वायरल करने की धमकी देने लगा। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार के मुताबिक, क्षेत्र की रहने वाली युवती ने वर्ष २०२२ को इटावा जनपद निवासी शैलेंद्र चंद्र यादव से प्रेम–विवाह किया था। ससुराल पहुंचने पर पति को जानकारी हुई कि पत्नी गर्भवती है। इसके बाद पत्नी ने पेट दर्द की दवा बता उसे दवाई खिला दी। दवाई का सेवन करने से महिला का गर्भपात हो गया। लिखित शिकायत में

महिला ने बताया कि करीब एक वर्ष तक वह अपने मायके में रहने लगी। गत २०२३ मई को उसे जानकारी हुई कि पति ने दूसरी युवती से शादी कर ली है। आरोप है कि कुछ दिन बाद पति ने फोन कर कहा कि उसने घर वालों के दबाव में आकर दूसरी शादी की थी। इसके बाद उसने दूसरी पत्नी को तलाक देने का भरोसा देते हुए उसके साथ इटावा में रहने का झांसा दिया। फिर वह पीड़िता के साथ यौन शोषण करने लगा। जिससे वह पुनरू गर्भवती हो गई। इस पर पति से गर्भपात का दबाव बनाया। इंकार किए जाने पर आरोपी उसकी आपत्तिजनक वीडियो और फोटोग्राफ को सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देने लगा। प्रभारी निरीक्षक का कहना है कि मामला दंपती के आपसी विवाद से जुड़ा है। फिलहाल, तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही हैं।

विभागों में रिक्त पदों के लिये नियुक्ति की प्रक्रिया तेज हो: सीएम योगी

लखनऊ। लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में अपेक्षित परिणाम नहीं मिलने से सजग भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने युवा वर्ग की मनोस्थिति को भांपते हुये सरकारी पदों में नियुक्ति की प्रक्रिया तेज करने के निर्देश दिये हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को यहां एक उच्च स्तरीय बैठक में इस आशय के निर्देश दिये। उन्होने कहा कि जिन भी विभागों में रिक्तियां हैं और नियुक्ति की जानी हैं, वहां से तत्काल अधियाचन चयन आयोगों को भेजा जाए। नियुक्ति प्रक्रिया में सरलता के लिए ई–अधियाचन की व्यवस्था लागू की गई है, उसका उपयोग करें। नियुक्ति के लिए अधियाचन भेजने से पूर्व नियमावली का सूक्ष्मता से परीक्षण कर लिया जाए। चयन आयोगों से संपर्क बनाएं, त्रुटिपूर्ण अधियाचन न भेजें। चयन प्रक्रिया की समय–सीमा तय करें। इससे पहले आज सुबह अपने सरकारी आवास पर जनता दर्शन कार्यक्रम में आये युवाओं से योगी ने उनकी समस्यायों को लेकर बातचीत की और त्वरित समाधान कराने का भरोसा दिलाया। प्रमुख सचिव स्तर की बैठक में उन्होने कहा कि अपर मुख्य सचिवध्प्रमुख सचिव अपने विभाग के शीर्ष अधिकारी हैं। विभाग से जुड़ी हर एक व्यवस्था, हर एक परियोजना, प्रत्येक प्रकरण के लिए उनकी जवाबदेही है। इसलिये समयबद्धता, गुणवत्ता सुनिश्चित करना उनकी जिम्मेदारी है। विभागीय मंत्रियें के साथ बेहतर संवाद–समन्वय बनाये रखें। जनहित के प्रकरणों को अनावश्यक लंबित न रखें। योगी ने कहा कि वित्तीय वर्ष २०२४–२५ की पहली तिमाही समाप्त होने वाली है। सभी विभागों द्वारा वर्तमान बजट में प्राविधानित धनराशि का यथोचित खर्च किया जाना सुनिश्चित किया जाए। समय से आवंटन और समय से खर्च होना चाहिए। वित्त विभाग द्वारा इसकी विभागवार समीक्षा की जाए। बजट आवंटन और खर्च के नियमों का सरलीकरण भी अपेक्षित है, इस पर यथोचित कार्यवाही की जाए। उन्होने कहा कि जीएसटी संग्रह के प्रयासों को तेज करने की आवश्यकता है। फील्ड में तैनात अधिकारियों को टारगेट दें। इनके परफॉर्मेंस को ही इनकी पदोन्नति, पदस्थापना का आधार बनाया जाना चाहिए। तकनीक का प्रयोग बढ़ाएं। कर चोरी किसी भी दशा में न हो। गर्मी के तल्ख तेवर को लेकर उन्होने कहा कि तेज गर्मी/लू का मौसम चल रहा है। ऐसे में पूरे प्रदेश में गांव हो या शहर, कहीं भी अनावश्यक बिजली कटौती

नहीं होनी चाहिए। बिजली तभी कटे, जब बहुत जरूरी हो। ट्रांसफार्मर जलनेध्तार गिरने, ट्रिपिंग जैसी समस्याओं का बिना विलंब निस्तारण किया जाए। अधिकारी फोन अटेंड करें, कहीं भी विवाद की स्थिति न बनने पाए, यदि ऐसा हो तो वरिष्ठ अधिकारी तत्काल स्वयं मौके पर पहुंचें। योगी ने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध को कड़ाई से लागू करें। सेफ सिटी परियोजना से जुड़े कार्यों को समय से पूरा कराएं। नगरों में कहीं भी पेयजल का संकट न होने पाए। स्ट्रीट डॉग की समस्या का स्थायी समाधान तलाशें। उन्होने कहा कि बरसात के ष्टिगत नालों की सफाई करा ली जाए। सिल्ट जमा न हो, ताकि बारिश में जलभराव न हो। मलिन बस्तियों में साफ–सफाई की अत्यधिक आवश्यकता है। यहां नियमित फॉगिंग भी कराई जाए। सॉलिड वेस्ट प्रबंधन के लिए ठोस प्रयास करें। प्रत्येक दशा में यह सुनिश्चित किया जाए कि गन्ना पेराई का नया सत्र प्रारंभ होने से पूर्व पिछले सत्र का सारा बकाया भुगतान हो जाए। गन्ना, उन्हीं मिलों को उपलब्ध कराया जाए, जिनका भुगतान रिक र्ड अच्छा हो। गर्मी के मौसम में बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र में पर्याप्त पेयजल की आपूर्ति लगातार बनाये रखें। एक भी दिन एक भी परिवार को पेयजल की समस्या नहीं होनी चाहिए। पशुओं के लिए हरा चारा और पेयजल के भी प्रबंध हों। मुख्यमंत्री ने कहा कि सहारनपुर और फतेहपुर में निर्माणाधीन स्पोर्ट्स क लेज में आगामी सत्र से प्रवेश होना है। इसके दृष्टिगत निर्माण की कार्यवाही समय से पूरी करा ली जाए। मेरठ में निर्माणाधीन खेल विश्वविद्यालय के कार्यों में तेजी अपेक्षित है। उन्होने कहा कि गढ़मुक्तेश्वर आस्था का बड़ा केंद्र है। यहां के बृजघाट एवं आसपास के क्षेत्र में कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा घाट पर बहुत बडा ऐतिहासिक मेला लगता है। प्रदेश सरकार ने वार्षिक मेले का प्रांतीयकरण भी किया है। बृज घाट की महत्ता को ष्टिगत रखते हुए इसके सुंदरीकरण के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करें। योगी ने कहा किलाभार्थीपरक योजनाओं को सीएम डैशबोर्ड से जोड़ा जाए। इससे इसकी मॉनीटरिंग में आसानी होगी। सरकार की योजनाओं के लिए पात्र हर एक व्यक्तिध्परिवार को योजनाओं के लाभ जरूर मिले।

अमिताभ बच्चन और जया बच्चन की शादी के 51 साल पूरे

मुंबई। बॉलीवुड के अमिताभ बच्चन और अभिनेत्री जया बच्चन की शादी के आज ५१ साल पूरे हो गये हैं। अमिताभ और जया आज

अपने विवाह की ५१वीं सालगिरह मना रहे हैं। अमिताभ बच्चन और जया बच्चन की जोड़ी बॉलीवुड में बहुत हिट रही है। अमिताभ और जया ने जंजीर, अभिमान, चुपके चुपके, शोले, सिलसिला, मिली, कभी खुशी कभी गम समेत कई कामयाब फिल्मों में साथ काम किया है। अमिताभ बच्चन और जया बच्चन की शादी ०३ जून १६७३ को मुंबई में हुई थी। उन्हीं दिनों दोनों की फिल्म श्जंजीरश ब क्स अ फिस पर तहलका मचा रही थी। दोनों एक साथ छुट्टी मनाने के लिए लंदन जाना चाहते थे। यह बात अमिताभ बच्चन के पिता हरिवंश राय बच्चन को पसंद नहीं आई। उन्होंने अमिताभ से कहा था यदि छुट्टी मनाने जाना है तो पहले शादी कर लो फिर जाना। बताया जाता है कि इस शादी में केवल पांच बाराती शामिल हुए थे। आज अमिताभ और जया अपने भरे–पूरे परिवार के साथ एक खुशहाल जिंदगी बिता रहे हैं।

जियो सिनेमा पर ‘बग बॉस ओटीटी ३’ की मेजबानी करेंगे अनिल कपूर

नई दिल्ली। ‘बिग बॉस ओटीटी ३श की इस बार मेजबानी अभिनेता अनिल कपूर करेंगे और इसका प्रीमियर २१ जून से जियो सिनेमा पर होगा। अनिल कपूर ने कहा कि इस अनस्क्रिप्टेड रियलिटी शो जिसमें प्रतिभागियों को कुछ समय तक समाज से अलग एकांत में रखा जाता है और कैमरा उनकी हर गतिविधि पर नजर रखता है, को अपने अंदाज में प्रस्तुत करने का वह बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। कपूर इससे पहले डैनी ब यल की ऑस्कर विजेता फिल्म ष्स्लमड ग मिलियनेयर’ में एक रियलिटी शो मेजबान की भूमिका निभा चुके हैं। एक बयान में अनिल कपूर ने कहा, ‘श्बिग बॉस ओटीटी’ और मैं एक ड्रीम टीम हैं! हम दोनों दिल से जवान हैं। लोग अक्सर मजाक में कहते हैं कि मैं श्रिवर्स एजिंग’ कर रहा हूं, लेकिन बिग बॉस वास्तव में कालातीत है। यह कुछ हद तक वापस स्कूल जाने जैसा अहसास है, कुछ नया और

रोमांचक करने का प्रयास इसका लक्ष्य है। उन्होंने कहा, ‘मैंने हमेशा अपनी सभी परियोजनाएं ईमानदारी और कड़ी मेहनत व प्रतिबद्धता के साथ (पूरी) की हैं और बिग बॉस में भी मेरी ऐसी ही ऊर्जा दिखेगी।’ पिछले सत्रों की मेजबानी क्रमशः करन जौहर और सलमान खान ने की थी।

‘श्रीमद रामायण’ में दिखायी जाएगी रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग की कहानी

मुंबई। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के शो ‘श्रीमद रामायण’ में रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग की कहानी दिखायी जाएगी। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन की दिव्य गाथा ‘श्रीमद रामायण’ की जारी कहानी में, भगवान श्री राम की वानर–सेना लंका तक पहुंचने के लिए राम सेतु पुल का निर्माण करना शुरू करती है, लेकिन इस ऐतिहासिक यात्रा पर निकलने से पहले, भगवान राम ने भगवान शिव की पूजा करने की इच्छा की, और भगवान राम ने समुद्र के किनारे प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंगों में से एक की स्थापना करके इस भूमि को धन्य कर दिया। इस पवित्र स्थल का नाम रामेश्वरम रखा गया और यह पीढ़ियों से भक्तों का पूजनीय तीर्थस्थल रहा है। आसन्न युद्ध की तैयारियों के बीच राजा रावण का पुत्र मेघनाद, भगवान राम के मिशन को विफल करने के लिए रणनीति बनाता है और राक्षसों की एक सेना भेजता है। ये राक्षसी

सही स्क्रिप्ट मिलने पर ही बजरंगी भाई जान का सीक्वल बनाएंगे कबीर खान

मुंबई। बॉलीवुड निर्देशक कबीर खान का कहना है कि वह सही स्क्रिप्ट मिलने पर ही अपनी सुपरहिट फिल्म बजरंगी भाई जान का सीक्वल बनाएंगे। वर्ष २०१५ में प्रदर्शित बजरंगी भाई जान में सलमान खान, करीना कपूर, हर्षाली मल्होत्रा और नवाजउद्दीन सिद्दिकी ने मुख्य भूमिका निभायी थी। फिल्म बजरंगी भाईजान को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। फैंस लंबे अरसे से बजरंगी भाई जान के दूसरे पार्ट का इंतजार कर रहे हैं। निर्देशक कबीर खान ने ‘बजरंगी भाईजान’ के सीक्वल को लेकर कहा कि बजरंगी सच में एक आइक निक किरदार है और वह जहां भी जाते हैं, लोग उनसे अक्सर कहते हैं कि वे उस किरदार को फिर से बड़े पर्दे पर देखना चाहते हैं।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
lat; cktibZ
lhrkiqj
eks-9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
lqjs'k ukjk;.k feJ
क्षेत्रीय सम्पादक
lkjHk dqekj] fcgkj
eks-09386075289
मो० अरशद
C;jks phQ
eऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178
Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक